



यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने अपनी बैठक के बारे में जानकारी साझा करने के लिए एप्स की भी सहायता लिया। जेलेंस्की ने कहा कि भारत और यूक्रेन संक्रिय रूप से संबंध विकासित कर रहे हैं और विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग का मजबूत कारने के लिए मिलकार काम कर रहे हैं।

## जनहितैषी

जनहितैषी अब [janhitaishinews.com](http://janhitaishinews.com) पर भी

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष: 29 अंक: 284 दिनांक: 25-09-2024 बुधवार मूल्य: 1 रुपया 50 पैसा पृष्ठ: 4 अहमदाबाद M

हिन्दी दैनिक



\* विपुरा में नेशनल लिवेसेन फ्रेंट आफ विपुरा (एसएलएफटी) और आल विपुरा टाइगर फोर्स (एटीटीएफ) से जुड़े कर्ब 500 उद्घाटियों संडेर कर दिया। इन उद्घाटियों ने राज्य के सीएम माणिक साहा के सामने संडेर किया।

## कुशीनगर में सपा नेता सहित 10 लोग गिरफ्तार

- जाती नोटों के कारोबार का हुआ पर्दाफाश

कुशीनगर (ईएमएस)। यूपी के कुशीनगर में जाती नोटों के बड़े अंतर्राष्ट्रीय गिरोह का पर्दाफाश हुआ है। पुलिस ने समाजवादी पार्टी की लोहिया वाहिनी के ग्राहीय सचिव मोहम्मद रफीक खान उर्फ बबलू समेत 10 लोगों के गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी राधी के खान और अखिलेश यादव से ग्राहीय मिलाने देखा जा सकता है। राधी के खान जास्तीजों के गैंग का मास्टरमैड बताया जा रहा है। दर्ज शिकायत के मुताबिक उन्हें नेपाल, यूपी और विहार के सीमावर्ती इलाकों में जाती नोटों का नेटवर्क स्थापित किया था। गिरफ्तार किए गए अन्य आरोपियों में शामिल नीशांद खान समाजवादी पार्टी के सांस्कृतिक प्रक्रोड़ का उपायक्ष बताया जा रहा है। पुलिस ने 5.62 लाख रुपये के जाती नोट, 1.10 लाख रुपये के असीनी नोट, तीन लाख नोटों मुद्रा, 1.0 लोटी नोटों के बारे में अपनी दावा किया है। उसकी तरफ उसकी अपरीती अस्पताल में अपने बीमार दावा कर रहा था। यूपी के गिरफ्तार के परिजनों ने बताया है कि उसकी नोटों का कारोबार करने वाले एक गैंग का मालिम हुआ है।

रेप पीड़िता बयान से मुकर न जाए इसलिए परिजनों ने कर दी हत्या

संभल (ईएमएस)। यहां कुछ दिन पहले एक रेप पीड़िता नावारण की गोली मारक नीतीश के बारे में अपनी देवी की हत्या इसलिए बार की गई थी। आरोप रेपिट पर लगाया गया बाद में पता चला कि जिस बार नावारण पीड़िता की गोली मारक हत्या की गई थी। उसकी मां, माया, और दो भाइयों ने मिलकर उसकी हत्या की।

पुलिस का दावा है कि हत्या रेप के आरोपी ने नहीं बल्कि खुद पीड़िता के परिवार के लिए बार कर रहा था। पीड़िता के परिजनों को आशका थी कि वे नावारण की हत्या रेप के आरोपी को बताने के लिए वार्ताओं से बदल न जाए। इसलिए उसे प्रति बदल न जाए।

अब मुंबई के प्रसिद्ध सिद्धिविनायक मंदिर का प्रसाद

विवादों में, प्रसाद की टोकरी में मिला चूहा !

टोकरी में चूहे हैं। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, परिवारों द्वारा अप्रैल की गोली मारक हत्या की गई थी।

हालांकि सिद्धिविनायक मंदिर प्रशासन

ने साफ किया है कि इस खबर में

उसकी अपील है। उक्त अलाका आरोपी ने बताया है कि इस खबर में

उसकी अपील है। उक्त अलाका आरोपी ने बताया है कि इस खबर में

उसकी अपील है। उक्त अलाका आरोपी ने बताया है कि इस खबर में

उसकी अपील है। उक्त अलाका आरोपी ने बताया है कि इस खबर में

उसकी अपील है। उक्त अलाका आरोपी ने बताया है कि इस खबर में

उसकी अपील है। उक्त अलाका आरोपी ने बताया है कि इस खबर में

उसकी अपील है। उक्त अलाका आरोपी ने बताया है कि इस खबर में

उसकी अपील है। उक्त अलाका आरोपी ने बताया है कि इस खबर में

उसकी अपील है। उक्त अलाका आरोपी ने बताया है कि इस खबर में

उसकी अपील है। उक्त अलाका आरोपी ने बताया है कि इस खबर में

उसकी अपील है। उक्त अलाका आरोपी ने बताया है कि इस खबर में

उसकी अपील है। उक्त अलाका आरोपी ने बताया है कि इस खबर में

उसकी अपील है। उक्त अलाका आरोपी ने बताया है कि इस खबर में

उसकी अपील है। उक्त अलाका आरोपी ने बताया है कि इस खबर में

उसकी अपील है। उक्त अलाका आरोपी ने बताया है कि इस खबर में

उसकी अपील है। उक्त अलाका आरोपी ने बताया है कि इस खबर में

उसकी अपील है। उक्त अलाका आरोपी ने बताया है कि इस खबर में

उसकी अपील है। उक्त अलाका आरोपी ने बताया है कि इस खबर में

उसकी अपील है। उक्त अलाका आरोपी ने बताया है कि इस खबर में

उसकी अपील है। उक्त अलाका आरोपी ने बताया है कि इस खबर में

उसकी अपील है। उक्त अलाका आरोपी ने बताया है कि इस खबर में

उसकी अपील है। उक्त अलाका आरोपी ने बताया है कि इस खबर में

उसकी अपील है। उक्त अलाका आरोपी ने बताया है कि इस खबर में

उसकी अपील है। उक्त अलाका आरोपी ने बताया है कि इस खबर में

उसकी अपील है। उक्त अलाका आरोपी ने बताया है कि इस खबर में

उसकी अपील है। उक्त अलाका आरोपी ने बताया है कि इस खबर में

उसकी अपील है। उक्त अलाका आरोपी ने बताया है कि इस खबर में

उसकी अपील है। उक्त अलाका आरोपी ने बताया है कि इस खबर में

उसकी अपील है। उक्त अलाका आरोपी ने बताया है कि इस खबर में

उसकी अपील है। उक्त अलाका आरोपी ने बताया है कि इस खबर में

उसकी अपील है। उक्त अलाका आरोपी ने बताया है कि इस खबर में

उसकी अपील है। उक्त अलाका आरोपी ने बताया है कि इस खबर में

उसकी अपील है। उक्त अलाका आरोपी ने बताया है कि इस खबर में

उसकी अपील है। उक्त अलाका आरोपी ने बताया है कि इस खबर में

उसकी अपील है। उक्त अलाका आरोपी ने बताया है कि इस खबर में

उसकी अपील है। उक्त अलाका आरोपी ने बताया है कि इस खबर में

उसकी अपील है। उक्त अलाका आरोपी ने बताया है कि इस खबर में

उसकी अपील है। उक्त अलाका आरोपी ने बताया है कि इस खबर में

उसकी अपील है। उक्त अलाका आरोपी ने बताया है कि इस खबर में

उसकी अपील है। उक्त अलाका आरोपी ने बताया है कि इस खबर में

उसकी अपील है। उक्त अलाका आरोपी ने बताया है कि इस खबर में

उसकी अपील है। उक्त अलाका आरोपी ने बताया है कि इस खबर में

उसकी अपील है। उक्त अलाका आरोपी ने बताया है कि इस खबर में

उसकी अपील है। उक्त अलाका आरोपी ने बताया है कि इस खबर में

उसकी अपील है। उक्त अलाका आरोपी ने बताया है कि इस खबर में

उसकी अपील है। उक्त अलाका आरोपी ने बताया है कि इस खबर में

उसकी अपील है। उक्त अलाका आरोपी ने बताया है कि इस खबर में

उसकी अपील है। उक्त अलाका आरोपी ने बताया है कि इस खबर में

उसकी अपील है। उक्त अलाका आरोपी ने बताया है कि इस खबर में

उसकी अपील है। उक्त अलाका आरोपी ने बताया है कि इस खबर में

उसकी अपील है। उक्त अलाका आरोपी ने बताया है कि इस खबर में

उसकी अपील है। उक्त अलाका आरोपी ने बताया है कि इस खबर में

उसकी अपील है। उक्त अलाका आरोपी ने बताया है कि इस खबर में

उसकी अपील है। उक्त अलाका आरोपी ने बताया है कि इस खबर में

उसकी अपील है। उक्त अलाका आरोपी ने बताया है कि इस खबर में

उसकी अपील है। उक्त अलाका आरोपी ने बताया है कि

## जन हितैषी

एआई आधारित टेक कंपनियों की नजर भारत पर

# श्राद्ध पक्ष में नफरत के तर्पण की जस्तरत

दिशाहीन, कसैली, विवैती सियासत पर लिखते-लिखते अब ऊब होने लगी है। इसलिए आज श्राद्ध पक्ष पर लिख रहा हूँ। भारत में श्राद्ध पक्ष का बहुत महत्व है। मान्यताएं हैं, अस्थायें हैं। हमारे पूर्वजों ने पूर्वजों की आत्मशांति और उनके प्रति शुद्धा व्यक्त करने के लिए पूरे पन्डह दिन मुर्करर किये हैं। पंचभूत में विलीन हमारे पूर्वजों की देह हम नदियों में प्रवाहित कर देते हैं किन्तु उनकी आत्माओं के बारे में हमारे पास कोई प्रबंध नहीं है। हमें लगता है कि पूर्वजों की आत्माएं भटकती हैं। उन्हें भूख-यास भी लगती है इसलिए ब्राह्मणों के जरिये, कवियों के जरिये, पशु-पक्षियों के जरिये हम उन्हें भोजन, वस्त्र और न जाने क्या-क्या पहुँचाने की कोशिश करते हैं। और जब थक जाते हैं, पक जाते हैं, तो पिंडदान कर देते हैं।

स्थापित मान्यताओं के बारे में मुझे कुछ नहीं कहना, क्योंकि ये आज का विषय नहीं है। मेरा तो आग्रह ये है कि हम श्राद्ध पक्ष में यदि कुछ तर्पण करना ही चाहते हैं, पिंडदान करना ही चाहते हैं तो हमें नफरत का, ईर्ष्या का, धृणा का पिंडदान करना चाहिए ताकि समाज, देश, आसपड़ोस सुख से रह सके। सुख अब दिनों-दिन अल्प्य होता जा रहा है। लोग सुख देने के बजाय उसे छीनने की स्पर्द्धा में जुटे हुए हैं। भारत में ही नहीं अपितु पूरी दुनिया में ये छीना-झापटी चल रही है। छीना-झापटी का चरम

युद्ध में तब्दील हो जाता है। दुनिया में कहाँ-कहाँ ये नफरत युद्ध में तब्दील हो चुकी है, ये आप सभी जानते हैं। बात नफरत की चली तो मुझे भारतीय राजनीति की कुछ महिलाओं की याद आ गयी। दिल्ली की नवी-नवेली मुख्यमंत्री आतिशी भाजपा की नफरत से परेशान हैं। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की कुर्सी खाली रखकर कामकाज करने का फैसला किया तो भाजपा को उदरशूल होने लगा। भाजपा के तमाम भ्रद्र नेता मुख्यमंत्री आतिशी पर राशन-पानी लेकर चढ़ बैठे। उनका कहना है कि ये चमचत्व की प्राकाष्ठा है जबकि आतिशी कहती हैं कि वे दिल्ली में भरत राज का अनुकरण कर रहीं हैं। कलियुग में भरत राज का अनुकरण अविश्वशीनीय है, क्योंकि यहां तो भरत के रूप में चम्पाई सोरेन का उदाहरण हैं जो सत्ता कि लालच में अपने ही दल को लात मार चुके हैं। आतिशी चम्पाई सोरेन नहीं हैं, आतिशी है। उनका सम्मान किया जाना चाहिए।

नफरत की आग भाजपा की कलाकार संसद सुश्री कंगना रावत कि दिल में भी धधक रही है। वे भी सत्रियां की शिकार दिखाई देती हैं। वे कब , क्या बोलेंगी ये उनका दल भाजपा भी नहीं जानता और इसीलिए कुछ दिन पहले ही कंगना कि एक बयान से भाजपा ने अपने आप को लग कर लिया था। अब वही कंगना रनौत फिर सुर्खियों में है। उन्होंने कहा है कि -हिमाचल प्रदेश सरकार कर्ज लेती है और पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी की गोद में डाल देती है। इस तरह वह कांग्रेस की झोली भर रही है। सोनिया गांधी ने राज्य के खजाने को खोखला कर दिया है और हिमाचल की ये दुर्दशा हुई है। हिमाचल के बच्चों के भविष्य पर कुल्हाड़ी मारी जा रही है। यह देखकर उन्हें बहुत दुख होता है। उनका दुःख कब सुख में बदलेगा हम और आप नहीं जानते।

हरियाणा कांग्रेस की वरिष्ठ नेता कुमारी शैलजा भी इस समय अपनी पार्टी और भाजपा की नफरत का शिकार है। नाराज हैं। चुनाव प्रचार में नजर नहीं आ रही। भाजपा ने उन्हें कांग्रेस छोड़ भाजपा में आने का न्यौता दिया है लेकिन सैलजा ने बिभीषण बनने से इंकार कर दिया है। उनका कहना है कि उनकी देह कांग्रेस कि झड़े में ही लिपटकर विदा होगी। ऐसा समर्पण अब कहाँ देखने को मिलता है।

नफरत की राजनीति कि शिकार देश कि अल्पसंख्यक भी हैं और वे लोग भी जो तिरुपति तिरुमला देवस्थान में लहूओं के लिए देशी धी के नाम पर कुछ और सप्लाई करते आये हैं। लेकिन इस नफरत से किसका नुकसान है और किसका फायदा ये समझना बहुत कठिन है। इसलिए मैं बार-बार कहता हूँ कि श्राद्ध पक्ष में पितरों कि साथ उन लोगों कि लिए भी दान-पुण्य करना चाहिए जो नफरत की गिरफ्त में हैं। नफरत से मोक्ष दिलाने कि लिए कोई नया विधि-विधान आवश्यक हो तो उसका भी इस्तेमाल किया जा सकता है। क्योंकि मेरी मान्यता है कि जब तक समाज में देश में, दुनिया में नफरत है कोई सुख से नहीं रह सकता। न गरीब और न अमीर। सुख की जस्तरत सभी को है, नफरत से मुहब्बत करने वाले लोग बहुत कम हैं और अब दुनिया में हर जगह उनकी शिनाख छोड़ चुकी है। नफरत से मुहब्बत करने वाले अल्पसंख्या में हैं, इसलिए उनसे डरने की नहीं सावधान रहने की जस्तरत है।

देश के अल्पसंख्यकों से नफरत करने वाली इकलौती राजनीतिक पार्टी भाजपा कुर्सी कि लालच में जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनावों में अल्पसंख्यकों कि प्रति उदारता दिखती नजर आ रही है। भाजपा के बड़े नेता और इस दशक के सरदार पटेल हमारे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह साहब ने घाटी कि मुसलमानों को ईद और मोहर्रम पर रसोई गैस कि दो सिलेंडर मुफ्त देने का वादा कर अपने कांग्रेसी होने का एक और प्रमाण दे दिया है। कांग्रेस पर यही भाजपा अल्पसंख्यकों के तुष्टिकरण की नीति अपनाने का आरोप लगाती आयी है, लेकिन अब खुद अल्पसंख्यकों का तुष्टिकरण करने कि लिए विवश है। लेकिन ये अच्छी खबर है श्राद्ध पक्ष में भाजपा का दिल कुछ तो बदला। (लेखक-राकेश अचल/ईएमएस)

प्रकाश की गति मापने वाले पहले वैज्ञानिक -ओले क्रिस्टेंसेन रोमर ( 1644-1710 )

( जन्मतिथि २५ , सितम्बर पर विशेष )

ओले क्रिस्टेंसन रोमर एक व्यापारी के बेटे थे, जिनका जन्म २५ सितंबर, १६४४ को आरहसू, डेनमार्क में हुआ था। उन्होंने अपनी युवावस्था में आरहसू कैथेड्रल स्कूल में पढ़ाई की और १६६२ में स्नातक होने के बाद उन्हें कोपेनहेगन विश्वविद्यालय भेजा गया। वहां उन्होंने मेडिसिन के प्रोफेसर इरासमस बार्थॉलिन के साथ रहकर अध्ययन किया, जो आइसलैंड स्पर में दोहरे अपवर्तन की खोज के लिए जाने जाते हैं। बार्थॉलिन ने रोमर का बहुत सम्पादन किया और उसे टाइको ब्राहे की पांडुलिपियों के संपादन का काम सौंपा। रोमर ने १६६४ से १६७० तक इस परियोजना को जारी रखा और १६७१ में ब्राहे की वेदशाला का निरीक्षण करने के लिए बार्थॉलिन और जीन पिकार्ड के साथ स्वर्ग की यात्रा की।

१६७२ में, रोमर पिकार्ड के साथ फ्रांस लौट आए और पेरिस में रॉयल वेदशाला में काम करना शुरू किया। इसके तुरंत बाद, उन्हें राजा लुईस३<sup>३</sup> द्वारा डॉफिन में खगोल विज्ञान का शिक्षक नियुक्त किया गया, लेकिन उन्होंने फ्रेंच एकेडमी ऑफ साइंसेज के तत्वावधान में वेदशाला में शोध जारी रखा। वहां रहते हुए, प्रकाश पर शोध किया वह अपने यांत्रिक कौशल और नवीन दिमाग के लिए सम्मानित हो गए। उन्होंने कई प्लैनिस्फेर्यर, एक सैटिनलैबियम, एक जोविलैबियम और एक बेहतर माइक्रोमीटर का उत्पादन किया, जिन्हें तुरंत सामान्य उपयोग के लिए अपनाया गया। १६७९ में, उन्हें रॉयल सोसाइटी द्वारा निर्मित पेंडुलम की मापने की क्षमताओं का परीक्षण करने के लिए इंग्लैंड भेजा गया था और उन्होंने उस समय के कई प्रमुख वैज्ञानिक दिमागों से मुलाकात की, जिनमें सर आइजैक न्यूटन, जॉन फ्लेमस्टीड और एडमंड हैली शामिल थे। पृथ्वी के बृहस्पति के करीब आने पर आयो के लगातार ग्रहणों के बीच बीता समय कम होता जाता है और पृथ्वी नथा बृहस्पति के दर होते जाने भविष्यवाणियाँ धीरे-धीरे लंबे समय के अंतराल में कम सटीक होती जा रही थीं, जिसकी परिणति लगभग २२ मिनट की अधिकतम त्रुटि के रूप में हुई। फिर, अजीब तरह से, कई महीनों के दौरान उनकी भविष्यवाणियाँ फिर से अधिक सटीक हो जाती हैं, पृथ्वी एक चक्र जो लगातार खुद को दोहराता है। रोमर को जल्द ही एहसास हुआ कि देखी गई विषमता ग्रहों की कक्षीय गति के कारण पृथ्वी और बृहस्पति के बीच की दूरी में भ्रित्रा के कारण हुई थी। जैसे ही बृहस्पति पृथ्वी से दूर चला गया, प्रकाश को यात्रा करने के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ी और इसलिए पृथ्वी तक पहुंचने में अतिरिक्त समय लगा। सत्रहवीं शताब्दी में उपलब्ध पृथ्वी और बृहस्पति के बीच की दूरी के लिए अपेक्षाकृत गलत गणनाओं को बदला, जो १३७,००० मील (या २२०,००० किलोमीटर) प्रति सेकंड पर प्रकाश की गति का अनुमान लगाने में सक्षम था।

प्रकाश की गति का सटीक माप

के अंकड़ों ने अपन्याशित रूप से एक और महत्वपूर्ण वैज्ञानिक समस्या हल कर दी- प्रकाश की गति। आयो की परिक्रमा अवधि अब १.७६९ पृथ्वी दिवस के रूप में जानी जाती है। पृथ्वी से देखने पर उपग्रह बृहस्पति द्वारा हर परिक्रमा में एक बार ग्रहण किया जाता है। कई वर्षों में इन ग्रहणों का समय निर्धारित करके, रोमर ने कुछ अनोखी बात देखी। जैसे-जैसे पृथ्वी अपनी कक्षा में बृहस्पति की ओर बढ़ती गई, लगातार ग्रहणों के बीच का समय अंतराल लगातार कम होता गया और जैसे-जैसे पृथ्वी बृहस्पति से दूर होती गई, लगातार लंबा होता गया। ये अंतर जमा होते गए। अपने डेटा से, रोमर ने अनुमान लगाया कि जब पृथ्वी बृहस्पति के सबसे निकट थी, तो आयो के ग्रहण कई वर्षों की औसत परिक्रमा अवधि के आधार पर पूर्वानुमान से लगभग ग्यारह मिनट पहले होंगे। और ६.५ महीने बाद, जब पृथ्वी बृहस्पति से सबसे दूर थी, तो ग्रहण पूर्वानुमान से लगभग ग्यारह मिनट बाद होंगे।

पर लंबा होता जाता है। कौसिनी ने इस - ओले रोमर के 1676 के सफल रोमर को पता था कि आयो की

प्रष्टाचार मिटे  
कैसे हैं वे

भा ता हा...? मामले हैं, इन 41 मामलों में 149 अधिकारी शामिल बताए गए हैं। इनके अलावा 81 अन्य मामले तीन माह से ज्यादा पुराने हैं। लम्बित मामलों में 249 अधिकारियों के खिलाफ 81 मामले लम्बित हैं, इनकी लम्बे समय से जॉच रिपोर्ट आ जाने के बाद भी अभियोजन की मंजूरी के अभाव में ये मामले लम्बित हैं और सरकार के विभिन्न पदों पर अभी भी विराजित ये अधिकारी अपनी भौतिकीय की भर्ख को शांत नहीं कर पा के कारण हो सकता है। 1767 में, रोमर ने घोषणा की कि 9 नवंबर को होने वाला आयो का ग्रहण उसी उपग्रह के पिछले ग्रहणों के आधार पर निकाले गए समय से 10 मिनट बाद होगा। जब घटनाएँ उनके पूर्वानुमान के अनुसार घटित हुईं, तो रोमर ने समझाया कि प्रकाश की गति इतनी है कि प्रकाश को पृथ्वी की कक्षा के व्यास को पार करने में 22 मिनट लगते हैं। (सत्रह मिनट अधिक सटीक होगा।) गति को मापा है। अंततः 1983 में, पहले गंभीर माप प्रयास के 300 से अधिक वर्षों के बाद, वज्रन और माप पर सत्रहवीं जनरल कांग्रेस द्वारा प्रकाश की गति को 299,792.458 किलोमीटर प्रति सेकंड के रूप में परिभाषित किया गया था। इस प्रकार, मीटर को उस दूरी के रूप में परिभाषित किया जाता है जो प्रकाश 1/299,792.458 सेकंड के अंतराल पर निर्वात के माध्यम से यात्रा करता है। यहाँसे सारांश है कि यह गति शानदार अंतर्दृष्टि में, उन्होंने महसूस किया कि समय का अंतर प्रकाश की सीमित गति के कारण होना चाहिए। यानी, बृहस्पति प्रणाली से प्रकाश को पृथ्वी तक पहुँचने के लिए तब अधिक दूरी तय करनी पड़ती है जब दोनों ग्रह सूर्य के विपरीत दिशा में होते हैं, न कि जब वे एक-दूसरे के करीब होते हैं। रोमर ने अनुमान लगाया कि पृथ्वी की कक्षा के व्यास को पार करने के लिए प्रकाश को बाईंस मिनट की

है और उसमें दिन दूनी रात चौगानी अभिवृद्धि हो रही है। अब सीबीआई अपने दायित्व का निर्वहण पूरी निष्ठा व ईमानदारी के साथ करना चाहती है, किन्तु वह करें कैसे? अधियोजन की मॉर्जी का अवरोध सामने जो है? अब स्वाल यही मूल है कि भ्रष्टाचार मिटे कैसे, उसे मिटाने की किसी को चाहत तो हो? इसका एक ही सरल उपाय है सीबीआई, सीआईडी को जॉच की अनुमति के बन्धन से मुक्त कर उसे स्वतंत्र छोड़ दिया जाए, जो आज के इस युग में सम्भव नहीं है....और इस मामले में स्पष्ट तर्जागारी मोर्चे के अभाव में यह डच गणतंज्ञ क्रिस्टियान हूजेस न अपन ट्रैटे डे ला लुमियर ( 1690 ; प्रकाश पर ग्रंथ) में, रोमर के विचारों का उपयोग प्रकाश की गति के लिए एक वास्तविक संख्यात्मक मान देने के लिए किया, जो आज स्वीकार किए गए मान के काफी करीब था - हालांकि समय की दौरी के अधिक अनुमान और पृथ्वी की कक्षा के व्यास के लिए तत्कालीन स्वीकृत आंकड़े में कुछ त्रुटि के कारण यह कुछ हृद तक गलत था।

1679 में रोमर इंगलैंड के एक वैज्ञानिक मिशन पर गए, जहाँ उनकी हालांक, सामान्य तार पर, ( कई वैज्ञानिक गणनाओं में भी ) प्रकाश की गति लगभग 300,000 किलोमीटर ( या 186,000 मील ) प्रति सेकंड है उस समय तक, वैज्ञानिकों ने मान लिया था कि प्रकाश की गति या तो मापने के लिए बहुत तेज़ है या अनंत है। फ्रांसीसी दर्शनिक डेसकर्टेस द्वारा जोरदार तरीके से तर्क दिया गया प्रमुख दृष्टिकोण अनंत गति का पक्षधर था। पेरिस वेद्यशाला में काम करने वाले रोमर ने जब प्रकाश की गति पाई, तब वे इसकी तलाश नहीं कर रहे थे, वे इसकी गति को लेने

न रेष्ट देखा यून ताज बुज उत्तम में वहे  
रोग अब महरोग बनता जा रहा है, जो  
संक्रमण की तरह हर सरकार को खोखला  
करता जा रहा है और इस बारे में कहीं  
किसी भी दिशा या स्तर पर गंभीरता नहीं  
है, आखिर यहीं हाल रहा तो इस देश का  
क्या होगा? इस सवाल का अब कोई महत्व  
नहीं है, क्योंकि इसका उत्तर किसी के पास  
भी नहीं है, चिंतित है तो केवल और केवल  
भ्रष्टाचार से पीड़ित देशवासी। (लेखक-  
ओमप्रकाश मेहता/ईएमएस)

मुलाकात सर आइज़ेक न्यूटन और  
खगोलविदों जॉन फ्लेमस्टीड और  
एडमंड हैली से हुई। 1681 में डेनमार्क  
लौटने पर, उन्हें वनोपेनहे गन  
विश्वविद्यालय में शाही गणितज्ञ और  
खगोल विज्ञान का प्रोफेसर नियुक्त  
किया गया। विश्वविद्यालय की  
वेधशाला में उन्होंने ऊंचाई और  
अंजीमुथ सर्कल के साथ एक उपकरण  
और एक दूरबीन स्थापित की, जो

रह था। इसके बाजाय, व 1610 में  
गैलीलियो द्वारा खोजे गए बृहस्पति के  
चार बड़े उपग्रहों में से सबसे भीतरी,  
आयो की कक्षा के व्यापक अवलोकनों  
को संकलित कर रहे थे। बृहस्पति द्वारा  
आयो के ग्रहणों का समय निर्धारित  
करके, रोमर उपग्रह की परिक्रमा अवधि  
के लिए अधिक सटीक मान निर्धारित  
करने की आशा कर रहे थे। सत्रहवीं  
शताब्दी में ऐसे अवलोकनों का

जानकारी के कारण भी। हालांकि,  
सटीक उत्तर से ज्यादा महत्वपूर्ण यह  
तथ्य था कि रोमर के डेटा ने प्रकाश  
की गति के लिए पहला मात्रात्मक  
अनुमान प्रदान किया, और यह सही  
अनुमान था। रोमर 1681 में डेनमार्क  
लौट आए, जहाँ उन्होंने विज्ञान और  
सरकार दोनों में एक प्रतिष्ठित करियर  
बनाया।

उन्होंने अपने समय के सबसे सटीक

<p><b>ऊपर से नीचे</b></p> <p>-2 राना-3 ओट, यूंघट-3 खी से निकला गम्भ</p> <p>द्वा-3 रामदा-3 अग्रेजी-2) कारीय-4 करिश्मा-4 सुर का 3 स्वामी-2 तेहदी(उड्डी-3) करना-3 व्यर्थ-2</p>	<p>24. गधा, गर्दम् -2 25. एक प्रकार की विदेशी शराब-2</p>	<p>आकाशीय पिंडों की स्थिति को सटीक रूप से मापती थी। उन्होंने 1705 में कोपेनहेगन के मेयर सहित कई सार्वजनिक कार्यालयों को भी संभाला हालाँकि, रोमर की सबसे बड़ी उपलब्धि प्रकाश की गति का पहला अपेक्षाकृत सटीक माप था, यह उपलब्धि उन्होंने 1676 में हासिल की थी। रॉयल ऑफ्झर्वेटरी में, रोमर के बृहस्पति के चंद्रमा और उसके बार-बार होने वाले ग्रहणों के अध्ययन ने उन्हें आवधिकता की भविष्यवाणी करने में सक्षम बनाया। चंद्रमा के लिए ग्रहण काल की खोज में सफलता हासिल की हालाँकि, कई महीनों के बाद, उन्होंने तेज़ा किंवा उन्हीं</p>	<p>व्यावहारिक महत्व था। गैलीलियो ने स्वयं सुझाव दिया था कि बृहस्पति के उपग्रहों की कक्षीय गति की तालिकाएँ आकाश में एक प्रकार की घड़ी प्रदान करेंगी। दुनिया में कहीं भी नेविगेटर और मानचित्रकार इस घड़ी का उपयोग निरपेक्ष समय (परिस वेधशाला जैसे ज्ञात देशांतर के स्थान पर मानक समय) को पढ़ने के लिए कर सकते हैं। फिर, स्थानीय सौर समय का निर्धारण करके, वे समय के अंतर से अपने देशांतर की गणना कर सकते हैं। देशांतर खोजने की यह विधि अंततः अव्यावहारिक साबित हुई और सटीक समुद्री घटियों के विकास के बाद इसे लोड टिया गया। लेकिन आगे गढ़ा</p>																																																													
<p>शब्द पहेली - 8138 का हल</p> <table border="1" style="width: 100%; border-collapse: collapse;"> <tr> <td style="padding: 2px;">ह</td> <td style="padding: 2px;">त</td> <td style="padding: 2px;">क</td> <td style="padding: 2px;">क</td> <td style="padding: 2px;">ल</td> <td style="padding: 2px;">र</td> <td style="padding: 2px;">व</td> </tr> <tr> <td style="padding: 2px;">क</td> <td style="padding: 2px;">द</td> <td style="padding: 2px;">ह</td> <td style="padding: 2px;">व</td> <td style="padding: 2px;">म</td> <td style="padding: 2px;">र</td> <td></td> </tr> <tr> <td style="padding: 2px;">व</td> <td style="padding: 2px;">न</td> <td style="padding: 2px;">नी</td> <td style="padding: 2px;">त</td> <td style="padding: 2px;">व</td> <td style="padding: 2px;">व</td> <td></td> </tr> <tr> <td style="padding: 2px;">र</td> <td style="padding: 2px;">व</td> <td style="padding: 2px;">न</td> <td style="padding: 2px;">क</td> <td style="padding: 2px;">स</td> <td style="padding: 2px;">त</td> <td style="padding: 2px;">न</td> </tr> <tr> <td style="padding: 2px;">१</td> <td style="padding: 2px;">२</td> <td style="padding: 2px;">३</td> <td style="padding: 2px;">४</td> <td style="padding: 2px;">५</td> <td style="padding: 2px;">६</td> <td style="padding: 2px;">७</td> </tr> <tr> <td style="padding: 2px;">८</td> <td style="padding: 2px;">९</td> <td style="padding: 2px;">१०</td> <td style="padding: 2px;">११</td> <td style="padding: 2px;">१२</td> <td style="padding: 2px;">१३</td> <td style="padding: 2px;">१४</td> </tr> <tr> <td style="padding: 2px;">१५</td> <td style="padding: 2px;">१६</td> <td style="padding: 2px;">१७</td> <td style="padding: 2px;">१८</td> <td style="padding: 2px;">१९</td> <td style="padding: 2px;">२०</td> <td style="padding: 2px;">२१</td> </tr> <tr> <td style="padding: 2px;">२२</td> <td style="padding: 2px;">२३</td> <td style="padding: 2px;">२४</td> <td style="padding: 2px;">२५</td> <td style="padding: 2px;">२६</td> <td style="padding: 2px;">२७</td> <td style="padding: 2px;">२८</td> </tr> <tr> <td style="padding: 2px;">२९</td> <td style="padding: 2px;">३०</td> <td style="padding: 2px;">३१</td> <td style="padding: 2px;">३२</td> <td style="padding: 2px;">३३</td> <td style="padding: 2px;">३४</td> <td style="padding: 2px;">३५</td> </tr> </table>	ह	त	क	क	ल	र	व	क	द	ह	व	म	र		व	न	नी	त	व	व		र	व	न	क	स	त	न	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	३१	३२	३३	३४	३५	<p>Jagrutidaun.com, Bangalore</p>
ह	त	क	क	ल	र	व																																																										
क	द	ह	व	म	र																																																											
व	न	नी	त	व	व																																																											
र	व	न	क	स	त	न																																																										
१	२	३	४	५	६	७																																																										
८	९	१०	११	१२	१३	१४																																																										
१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१																																																										
२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८																																																										
२९	३०	३१	३२	३३	३४	३५																																																										

नई दिल्ली ( ईएमएस )। पेरिस पैरालंपिक खेलों के पदक विजेता बैडमिंटन खलाड़ियों को भारतीय बैडमिंटन संघ ( बाई ) ने पुरस्कार देने की घोषणा की

भारतीय बैडमिंटन संघ (बाई) के अध्यक्ष डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि बाई पेरिस पैरालंपिक 2024 के पदक विजेताओं को उनके उत्कृष्ट यासों के लिए 50 लाख रुपये के संयुक्त पुरस्कार से सम्मानित करेगा। भारत पेरिस पैरालंपिक की बैडमिंटन स्थर्या में पांच पदक जीते जिसमें एक स्वर्ण, दो रजत और दो कांस्य शामिल हैं। ये पैरालंपिक खेलों के किसी भी संस्करण में तब तक के सबसे अधिक पदक हैं।

नितेश कुमार ने पुरुष एकल एसएल3 श्रेणी में प्रतिष्ठित स्वर्ण पदक जीता, जबकि सहास यतिराज (पुरुष एकल एसएल4) ने पेरिस में दोहराई जीत के

गाथ टोक्यो से अपने रजत पदक में इजाफा किया। थुलसिमिथि मुरुसोसन, नीशा रामदास और नित्या श्री सिवन ने पैरालंपिक में पदक जीतने वाली हली भारतीय महिला बैडमिंटन खिलाड़ी बनीं। थुलसिमिथि ने महिला एकल स्पर्धा में रजत और मनीषा ने कांस्य पदक जीता। इस बीच, नित्या ने एस-एच6 गणी में कांस्य पदक जीता। स्वर्ण पदक विजेता नितेश को 15 लाख रुपये, जत पदक विजेता सुहास और थुलसिमिथि को 10-10 लाख रुपये और कांस्य पदक विजेता मनीषा और नित्या को 7.5-7.5 लाख रुपये मिलेंगे।

पैरा बैडमिंटन खिलाड़ियों की प्रशंसा करते हुए बाई के महासचिव संजय पश्चा ने कहा, भारतीय पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी विश्व मंच पर लगातार अच्छा दर्शन कर रहे हैं और नकद पुरस्कार बाई के लिए पैरालंपिक में देश को पदक जीतने में मदद करने के उनके प्रयासों को मान्यता देने का एक तरीका है।

आईसीसी ने टी20 महिला विश्वकप के लिए मैच अधिकारियों की घोषणा की, भारत की लक्ष्मी शामिल हुई (ईएमएस)। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने यूएई में अगले दो होने वाले टी20 महिला विश्व कप 2024 के लिए मैच अधिकारियों की घोषणा

कर दी है। इसमें दस अंपायर और तीन मैच रेफरी शामिल हैं। विश्वकप 3 से 20 वर्षबाट बाकर खेला जाएगा। अंपायरों के पैनल में क्लेयर पोलोसाक सहित कई अनुभवी अधिकारी शामिल हैं। पोलोसाक पांचवीं बार आईसीसी महिला टी20 विश्व कप में अंपायरिंग करेंगी जबकि किम कॉटन और जैकलीन विलियम्स अपने बौद्धि विश्व कप अंपायरिंग करेंगी।

सूर रडफन चाथा बार पनल में शामिल का गया है वहाँ जियावृक्ष का सारा बनेवाना अपनी बार अंपायरिंग पैनल में हैं। मैच रेफरी की टीम में भारत की एसल लक्ष्मी को भी जगह मिली है। वह 2012 में टी20 मैच में रेफरी रही थी और 2023 में फाइनल में भी रैफरी रही थी। उनके साथ शैंडे, फिट्ज़ और पेशेल परेरा भी शामिल हैं।

आईसीसी के वरिष्ठ प्रबंधक अंपायर और रेफरी, सीन ईंजी ने कहा: आईसीसी द्वारा खेल में महिलाओं की उत्तमि में योगदान देने पर गर्व है। आईसीसी टी20 वश्व कप 2024 के लिए पूरे महिला पैनल की घोषणा करना गर्व का अनुभव है।

1. द्रुपदक्षाय आर अन्य क्रिकेट मंचों में अपने हालया प्रदर्शन के आधार पर इस योजना के लिए सबसे योग्य अंपायरों के रूप में चुने गए इस समूह में दुनिया भर की कुछ बेहतरीन अंपायर शामिल हैं। आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2024 के लिए मैच रेफरी : शैंडू फिट्डू, जीएस लक्ष्मी, मिशेल परेरा। अंपायरों का पैनल: रारेन एगेनबैग, किम कॉटन, सारा डंबनेवाना, अन्ना हैरिस, निमाली परेरा, क्लोयर तोलोसाक, वृदा राठी, सूरेफर्न, एलोइस शेरिडन, जैकलीन विलियम्स।

**बांगलादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट में विराट, अश्विन और जडेजा बना सकते हैं कई रिकार्ड**

कानपुर (ईएमएस)। यहां 27 सितंबर से बांगलादेश के खिलाफ होने वाले दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच के लिए भारतीय टीम तैयार है। चेन्नई टेस्ट में 280 रनों की बढ़ी जीत के साथ ही भारतीय टीम सीरीज में 1-0 से आगे है। ऐसे में उसका प्रथम दूसरे टेस्ट को भी जीतकर सीरीज में 2-0 की बढ़त हासिल करना रहेगा। हीं दूसरी ओर बांगलादेश टीम भी ये मैच जीतकर सीरीज बराबर करने के प्रयास करेगी।

कानपुर में भारतीय टीम के कई खिलाड़ी रिकार्ड बना सकते हैं। अगर भारतीय टीम कानपुर टेस्ट जीतती है, तो वो टेस्ट की चौथी सबसे सफल टीम बन सकती है। भारतीय टीम ने अब तक 580 में से 179 मकाबाले जीत लिए हैं, दूसरे ही टेस्ट

क्षिण अफ्रीका ने भी जीते हैं। कानपुर टेस्ट जीतकर भारत, दक्षिण अफ्रीका से आगे बढ़कर जाएंगा। वहाँ व्यक्तिगत रिकॉर्ड की बात करें तो, कानपुर में महज 35 रन बनाते ही विराट 27 हजार अंतरराष्ट्रीय रन बनाने वाले चौथे खिलाड़ी बन जाएंगे। उनके नाम दो रिकॉर्ड और जुड़ि सकते हैं। कोहली 9,000 टेस्ट रन के करीब हैं ताकि इसके लिए उन्हें एक एक बड़ी शतकीय पारी खेलनी होगी। साथ ही, विराट कोहली के नाम 114 टेस्ट में 29 शतक हैं। वे बांग्लादेश के खिलाफ एक भी शतक

गाते हैं तो ऑस्ट्रेलिया के महान बल्लेबाज सर डोनाल्ड ब्रैडमैन के 52 टेस्ट में 29

शतक के राक्षसों का बाबराबा कर लगा अनेक श्रृंखला तक भी शतक के मामल में वह हुल द्रविड़ से भी आगे निकल सकते हैं। द्रविड़ के नाम 48 इंटर्नेशनल शतक हैं। जबकि रोहित के नाम भी कुल 48 शतक हैं। अगर वो बांग्लादेश के खिलाफ शतकीय पारी खेलते हैं, तो वो द्रविड़ को पीछे छोड़ सकते हैं।  
वहीं कानपुर में 9 विकेट लेकर स्प्रिंगर आर अश्विन, नाथन लायन से आगे नकल सकते हैं। लायन के नाम ( 129 टेस्ट में 530 विकेट ), जबकि अश्विन

5 नाम 101 टेस्ट में 522 विकेट हैं। इसके साथ ही अश्विन के निशाने पर और भी कई बड़े रिकॉर्ड होंगे। वहाँ ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा 300 टेस्ट विकेट के नीबा। कानपुर में एक और विकेट लेते ही वो टेस्ट में 300 विकेट पूरे कर लेंगे।

और अल्वाराज को शामिल किया। मैड्रिड (ईप्पेंस)। स्पेन ने अगले माह होने वाले डेविड कप टेनिस के लिए आपनी टीम घोषित कर दी है। इसमें रदम विल्कासिनोंगे शामिल होते हैं।

वर्षाना टीम ध्यावपत कर दा हा। इसमध्ये स्टार प्रिलोड्या राफेल नंडाल आणि कालासे वरलक्कराज को भी शामिल किया है। स्पेन को 19 से 24 नवंबर के बीच मलागा में दोदरलैंड्स के खिलाफ क्वार्टर फाइनल खेलना है।

012-13 के बाद से अपने खिताब का सफलतापूर्वक बधाव करने का यास करेंगे। स्पेन की टीम पर इस मुकाबले में सभी की नजरें रहेंगी। नडाल, जो 22 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन हैं। उन्होंने पेरिस ओलंपिक के बाद से खेल नहीं खेला है, और यूएस ओपन तथा लेवर कप से नाम वापस ले नया था। वहीं दूसरी ओर अल्काराज़ ने इस सत्र में फ्रेंच ओपन और विबलडन प्रीति हैं और वह अच्छी लय में हैं। अर्जेंटीना की टीम में सेबस्टियन बाप्पज़, फ्रांसिस्को सेरुंडोलो और टॉमस गार्डन एट्चेवरी जैसे अच्छे खिलाड़ी शामिल हैं। डेविस कप में दो अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया का मुकाबला होगा। अमेरिका की टीम में टेलर फ्रिट्ज़, टॉमी डॉल और बेन शेल्टन जैसे शीर्ष खिलाड़ी शामिल रहेंगे। वहीं जर्मनी और कनाडा के बीच मुकाबला भी कठिन होगा। जर्मनी की टीम का नेतृत्व जान-लेनार्ड स्ट्रफ करेंगे, बाकि कनाडा की टीम में फेलिक्स आँगर-अलियासिमे और डेनिस शापोवालोव जैसे खिलाड़ी शामिल हैं।

का अवसर मिलेगा ? यूथ वनडे सीरीज  
पुडुचेरी (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और कोच रहे राहुल  
द्रविड़ के बेटे समित द्रविड़ को अब यहां 26 सितंबर को यूथ वनडे सीरीज के तीसरे  
और अंतिम एकदिवसीय में ऑस्ट्रेलियाई अंडर 19 टीम के खिलाफ खेलने का  
अवसर मिलता है या नहीं ये देखना होगा।

शुरुआताना हां भारत में सामृद्ध टाम में जगह नहीं बना पाया था। अब तक ए दोनों ही मैचों में इंडिया अंडर 19 टीम ने जीत दर्ज कर तीन मैचों की सीरीज 2-0 की बढ़त हासिल की है। ऐसे में तीसरे मैच में भी टीम में बदलाव होने की भवना कम ही है। सीरीज का तीसरा और आखिरी एकदिवसीय मैच 26 सितंबर को खेला जाएगा। इसके बाद दोनों टीमों के बीच 30 सितंबर से टेस्ट सीरीज खेली जाएगी।

समिति दो साल बाद आयोजित होने वाले अंडर 19 विश्व कप में नहीं खेल पाएंगे क्योंकि तब तक उनकी उम्र अधिक हो जाएगी। अगला अंडर 19 विश्व कप 2026 में आयोजित होगा। समिति ऑलराउंडर के तौर पर खेलते हैं। समिति हाल में कर्नाटक में महाराजा टी20 लीग कूच बिहार ट्रॉफी में कर्नाटक की ओर से अच्छा प्रदर्शन किया था। उसी के बाद ही चयनकर्ताओं ने उन्हें अंडर 9 टीम में शामिल किया।



## "27 फीसदी ओबीसी आरक्षण को 20 और 7 में बांटा जाए", सांसद गनीबेन ठाकोर का पीएम मोदी को पत्र

गांधीनगर, 24 सितंबर  
बनानीने ठाकोर से कांगड़े सांसद जेनीबेन ठाकोर को ने युजरात के ओबीसी आरक्षण के मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सुखमय भूपेंद्र पटेल को प्रतिलिप्ति है। जिसमें कांगड़े सांसद गनीबेन ठाकोर ने युजरात के 27 फीसदीओबीसी आरक्षण को दो हिस्सों में बांटनेकीबात कही है पत्र में गनीबेन ने ओबीसी आरक्षण के बंटवारे को लेकरकहा है कि 27फीसदी आरक्षण को 20 और 7 में बांटा जाना चाहिए, ठाकोर, कोलीसमतेकुपिछड़ी जातियों को अंतर्नांत आदेश दिया जाना चाहिए, जबकि ठाकोर और कोली समिति सभसे पिछड़ी जातियों को विछले 20 वर्षों में शिक्षा योरोजगार में आरक्षण का लाभ नहीं उठा सकते हैं। उपरोक्त पिछड़ी जातियों को 27 वर्षों का एक वर्ष दो प्रतिशत लाभ मिलता है। इसलिए ये पिछड़ी जातियों को अंतर्नांत आदेश दिया जाना चाहिए, जबकि ठाकोर ने युजरात के 27 फीसदीओबीसी आरक्षण को दो हिस्सों में बांटनेकीबात कही है पत्र में गनीबेन ने ओबीसी आरक्षण के बंटवारे को

ओबीसी में 146 जातियों हैं लेकिन उनमें ठाकोर, कोली, धोबी, मोर्ची, वाडी, बंसोकोडा, भई, नुसारा, दगगर, डफ़र, कीरी, भुवरिया, कामाड़ी, या, खरवा, मदार, भरार, नट, बैरया, रावल, सलात, सलादिया शामिल हैं। यारातायत 23 से अधिक प्रजातियां हैं जातियों के अंतर्नांत आदेश दिया जाना चाहिए, जिसमें पिछड़े विछले 20 वर्षों में शिक्षा और सरकारी नौकरियों में लाभ हुआ है, का सर्वक्षण किया जाना चाहिए।

इस सर्वे के बाद इन पांच वर्षों

में लगजी बसों की नो एंट्री: अहमदाबाद में लगजी बसों की नो एंट्री: हाई कोर्ट के फैसले पर सुप्रीम कोर्ट की मुहर शहर में निजी परिवहन के भारी वाहनों और लकड़ी बसों के प्रवेश पर शुल्क 8 बजे से रात 10 बजे हुए। अहमदाबाद पुलिस ने 2022 में शहर में निजी बसों के प्रवेश पर प्रतिवंश्य लगाने का आदेश जारी किया है। जिसे पहले युजरात हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई। अब सुप्रीम कोर्ट ने भी शहर में लगजी बसों की एंट्री पर रोक को बरकरारखा है। सुप्रीम कोर्ट ने लकड़ी बसों को 27 वर्षों में से 20 वर्ष आरक्षण दिया जाना चाहिए। गनीबेन ठाकोर ने यह पत्र ऐसे समय लिया है जब उनकी खाली हुई वाव-भाभर विधानसभा रखा, जिसमें निर्विघ्न घोटे के लिए शहर में लकड़ी बसों के प्रवेश पर प्रतिवंश्य लगा दिया गया था। वाहनों की लगातार बढ़ती संख्या और यातायत की समस्याओं को कितना बढ़ाया हुआ है।

### मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने गांधीनगर में पांचवीं डेकोराइज़-2024 प्रदर्शनी का उद्घाटन किया

प्रदर्शनी में देश के विभिन्न राज्यों की 250 से अधिक डेकोरेशन एंड इंवेंट कंपनियां हुई सहभागी।

गांधीनगर (ईएमएस) पुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने डेकोराइज़ बेलफेयर एसोसिएशन-अहमदाबाद के सहयोग से गांधीनगर में आयोजित तीन दिवसीय पांचवीं डेकोराइज़-2024 प्रदर्शनी का मंगलवार को उद्घाटन किया। इन्हें इन्स्ट्रक्टर विजनेस की इस इन्स्ट्रक्टर विजनेस की इस विशाल प्रदर्शनी में देश के विभिन्न राज्यों की 250 से अधिक डेकोरेशन एंड इंवेंट कंपनियां हुई सहभागी।

गांधीनगर (ईएमएस) पुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने डेकोराइज़ बेलफेयर एसोसिएशन-अहमदाबाद के सहयोग से गांधीनगर में आयोजित तीन दिवसीय पांचवीं डेकोराइज़-2024 प्रदर्शनी का मंगलवार को उद्घाटन किया। इन्हें इन्स्ट्रक्टर विजनेस की इस विशाल प्रदर्शनी में देश के विभिन्न राज्यों की 250 से अधिक डेकोरेशन एंड इंवेंट कंपनियां हुई सहभागी।

गांधीनगर (ईएमएस) पुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के अंतर्गत "एक पेड़ मार के नाम" अधियान के तहत अहमदाबाद मंडल के विभिन्न स्थानों पर सुख्खी सचिव, कोषाच्युष्ण एवं सोशल इंवेंट में नवीन प्रोडक्ट्स एवं इनोवेशन के उपयोग से संबंधित

सेना की दक्षिणी कमान के जनरल अॉफिसर कपांडिंग-इन-चीफ ने मुख्यमंत्री से भेंट की।

गांधीनगर (ईएमएस) पुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के अंतर्गत "एक पेड़ मार के नाम" अधियान के तहत अहमदाबाद मंडल के विभिन्न स्थानों पर सुख्खी सचिव, कोषाच्युष्ण एवं सोशल इंवेंट में नवीन प्रोडक्ट्स एवं इनोवेशन के उपयोग से संबंधित

मण्डल वेन विभिन्न स्थानों पर वृक्षारोपण अहमदाबाद (ईएमएस) पुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के अंतर्गत 2 अक्टूबर, 2024 तक स्वच्छता ही सेवा अधियान चलाया जा रहा है। यह अधियान पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में भी निरंतर प्रयासरत करता है।

इन्हीं प्रयासों के अंतर्गत "एक पेड़ मार के नाम" अधियान के तहत अहमदाबाद मंडल के विभिन्न स्थानों पर सुख्खी सचिव, कोषाच्युष्ण एवं गवर्नर कमान के जनरल अॉफिसर कपांडिंग-इन-चीफ के रूप में पदभार संभाला है। उन्होंने यह पदभार ग्रहण करने से पूर्व दिल्ली एवं यूरोपीय सम्भावना की समीक्षा बैठक के दौरान रेले मंत्रालय की अतिरिक्त सदस्य (स्टाफ़) श्रीमती प्रमिला एच. भारपूरा ने किया।

यह वेबसाइट अंतर्राष्ट्रीय सुगमता मानकों के पूर्णतया अनुरूप है और दिव्यांगजनों को प्रेरित होकर और माननीय रेल मंत्री श्री विजय निसर्ग के अंतर्गत आविन अंनलाइन ज्ञान कर सकेंगे।

यह वेबसाइट अंतर्राष्ट्रीय सुगमता मानकों के पूर्णतया अनुरूप है और दिव्यांगजनों को प्रेरित होकर और माननीय रेल मंत्री श्री विजय निसर्ग के अंतर्गत आविन अंनलाइन ज्ञान कर सकेंगे।

यह वेबसाइट अंतर्राष्ट्रीय सुगमता मानकों के पूर्णतया अनुरूप है और दिव्यांगजनों को प्रेरित होकर और माननीय रेल मंत्री श्री विजय निसर्ग के अंतर्गत आविन अंनलाइन ज्ञान कर सकेंगे।

यह वेबसाइट अंतर्राष्ट्रीय सुगमता मानकों के पूर्णतया अनुरूप है और दिव्यांगजनों को प्रेरित होकर और माननीय रेल मंत्री श्री विजय निसर्ग के अंतर्गत आविन अंनलाइन ज्ञान कर सकेंगे।

यह वेबसाइट अंतर्राष्ट्रीय सुगमता मानकों के पूर्णतया अनुरूप है और दिव्यांगजनों को प्रेरित होकर और माननीय रेल मंत्री श्री विजय निसर्ग के अंतर्गत आविन अंनलाइन ज्ञान कर सकेंगे।

यह वेबसाइट अंतर्राष्ट्रीय सुगमता मानकों के पूर्णतया अनुरूप है और दिव्यांगजनों को प्रेरित होकर और माननीय रेल मंत्री श्री विजय निसर्ग के अंतर्गत आविन अंनलाइन ज्ञान कर सकेंगे।

यह वेबसाइट अंतर्राष्ट्रीय सुगमता मानकों के पूर्णतया अनुरूप है और दिव्यांगजनों को प्रेरित होकर और माननीय रेल मंत्री श्री विजय निसर्ग के अंतर्गत आविन अंनलाइन ज्ञान कर सकेंगे।

यह वेबसाइट अंतर्राष्ट्रीय सुगमता मानकों के पूर्णतया अनुरूप है और दिव्यांगजनों को प्रेरित होकर और माननीय रेल मंत्री श्री विजय निसर्ग के अंतर्गत आविन अंनलाइन ज्ञान कर सकेंगे।

यह वेबसाइट अंतर्राष्ट्रीय सुगमता मानकों के पूर्णतया अनुरूप है और दिव्यांगजनों को प्रेरित होकर और माननीय रेल मंत्री श्री विजय निसर्ग के अंतर्गत आविन अंनलाइन ज्ञान कर सकेंगे।

यह वेबसाइट अंतर्राष्ट्रीय सुगमता मानकों के पूर्णतया अनुरूप है और दिव्यांगजनों को प्रेरित होकर और माननीय रेल मंत्री श्री विजय निसर्ग के अंतर्गत आविन अंनलाइन ज्ञान कर सकेंगे।

यह वेबसाइट अंतर्राष्ट्रीय सुगमता मानकों के पूर्णतया अनुरूप है और दिव्यांगजनों को प्रेरित होकर और माननीय रेल मंत्री श्री विजय निसर्ग के अंतर्गत आविन अंनलाइन ज्ञान कर सकेंगे।

यह वेबसाइट अंतर्राष्ट्रीय सुगमता मानकों के पूर्णतया अनुरूप है और दिव्यांगजनों को प्रेरित होकर और माननीय रेल मंत्री श्री विजय निसर्ग के अंतर्गत आविन अंनलाइन ज्ञान कर सकेंगे।

यह वेबसाइट अंतर्राष्ट्रीय सुगमता मानकों के पूर्णतया अनुरूप है और दिव्यांगजनों को प्रेरित होकर और माननीय रेल मंत्री श्री विजय निसर्ग के अंतर्गत आविन अंनलाइन ज्ञान कर सकेंगे।

यह वेबसाइट अंतर्राष्ट्रीय सुगमता मानकों के पूर्णतया अनुरूप है और दिव्यांगजनों को प्रेरित होकर और माननीय रेल मंत्री श्री विजय निसर्ग के अंतर्गत आविन अंनलाइन ज्ञान कर सकेंगे।

यह वेबसाइट अंतर्राष्ट्रीय सुगमता मानकों के पूर्णतया अनुरूप है और दिव्यांगजनों को प्रेरित होकर और माननीय रेल मंत्री श्री विजय निसर्ग के अंतर्गत आविन अंनलाइन ज्ञान कर सकेंगे।

यह वेबसाइट अंतर्राष्ट्रीय सुगमता मानकों के पूर्णतया अनुरूप है और दिव्यांगजनों को प्रेरित होकर और माननीय रेल मंत्री श्री विजय निसर्ग के अंतर्गत आविन अंनलाइन ज्ञान कर सकेंगे।

यह वेबसाइट अंतर्राष्ट्रीय सुगमता मानकों के पूर्णतया अनुरूप है और दिव्यांगजनों को प्रेरित होकर और माननीय रेल मंत्री श्री विजय निसर्ग के अंतर्गत आविन अंनलाइन ज्ञान कर सकेंगे।

यह वेबसाइट अंतर्राष्ट्रीय सुगमता मानकों के पूर्णतया अनुरूप है और दिव्यांगजनों को प्रेरित होकर और माननीय रेल मंत्री श्री विजय निसर्ग के अंतर्गत आविन अंनलाइन ज्ञान कर सकेंगे।

यह वेबसाइट अंतर्राष्ट्र